

आना-जाना पुं. (तत्.) 1. किसी स्थान पर अक्सर आते और जाते रहना, आवागमन 2. परिचय 3. मेल-जोल का संबंध।

आनाथ्य पुं. (तत्.) अनाथ होने की स्थिति, बेसहारा होने की स्थिति, असहाय अवस्था।

आनाह पुं. (तत्.) 1. मलावरोध से पेट फूलने का रोग 2. बंधन, बाँधना 3. लंबाई (कपड़े आदि की) 4. विस्तार।

आनि¹ क्रि.वि. (तद्.) आकर के, आने के बाद (ब्रज बोली प्रयोग) क्रि.वि. लाकर, लाने के बाद (ब्रज बोली प्रयोग)

आनि² स्त्री. (तद्.) आन, मर्यादा, प्रतिष्ठा, सम्मान।

आनि³ वि. (तद्.) 1. दूसरा, अन्य 2. विरल

आनिल वि. (तत्.) अनिल (वायु) से संबंधित पुं.
1. (वायुपुत्र) हनुमान 2. भीम 3. स्वाति नक्षत्र।

आनी-जानी स्त्री. (तद्.) 1. आई और गई, अल्पस्थायी, अस्थिर 2. क्षणभंगुर।

आनीत पुं. (तत्.) लाया हुआ, पास लाया हुआ।

आनीति स्त्री. (तत्.) आनयन, लाना, पास ले जाना, पास लाए जाने की क्रिया या स्थिति।

आनील वि. (तत्.) हलका नीला, लगभग नीला जैसा।

आनु वि. (देश.) 1. दूसरा, अन्य, आनि 2. विरल।

आनुकल्पिक वि. (तत्.) वैकल्पिक, एक निश्चित उत्तर के अतिरिक्त अन्य उत्तर।

आनुकूलित वि. (तत्.) उपस्थित परिस्थितियों के योग्य गुण वाला, उपयुक्त।

आनुकूल्य पुं. (तत्.) 1. अनुकूलता 2. कृपालुता।

आनुक्रमिक वि. (तत्.) 1. किसी निश्चित क्रम के अनुसार व्यवस्थित 2. विभिन्न श्रेणीक्रमों के अनुसार वर्गीकृत 3. घटती-बढ़ती मात्रा के अनुसार अंशांकित।

आनुगतिक वि. (तत्.) 1. किसी अन्य द्वारा किए गए कार्य के अनुसार ही कार्य करने वाला 2. पीछे चलनेवाला, अनुयायी।

आनुगत्य पुं. (तत्.) 1. किसी अन्य द्वारा किए गए कर्म के अनुसार कार्य करने की स्थिति 2. अनुकरण 3. परिचय 4. घनिष्ठता exgratia

आनुग्रहिक वि. (तत्.) 1. प्रशा. अनुग्रह के रूप में 2. रियायती।

आनुतिथ्य वि. (तत्.) तिथियों के अनुसार क्रम वाला।

आनुतोषिक वि. (तत्.) 1. किसी कार्य के संपन्न होने पर अनुग्रह के रूप में दी गई राशि 2. सेवा निवृत्त होने पर दिया जाने वाला उपादान।

आनुदानिक वि. (तत्.) सरकार अथवा अन्य किसी संस्था से वित्तीय सहायता प्राप्त, अनुदान प्राप्त, अनुदान का।

आनुनासिक वि. (तत्.) नाक की सहायता से बोला जाने वाला स्वर अथवा व्यंजन, अनुनासिक।

आनुनासिकता स्त्री. (तत्.) नाक की सहायता से बोले जाने वाली अवस्था।

आनुनासिक्य पुं. (तद्.) अनुनासिकता, नाक की सहायता से बोले जाने वाली अवस्था।

आनुपातिक वि. (तत्.) अनुपात के अनुसार।

आनुपातिक प्रतिनिधित्व पुं. (तत्.) प्रशा. 1. कोई समिति गठित करते समय उसमें विभिन्न वर्गों की सदस्य संख्या के निश्चित अनुपात के अनुसार प्रतिनिधियों का होना 2. विधान परिषद् के गठन की एक विधि, जिसमें प्रत्येक राजनीतिक दल को नियमानुसार निश्चित अनुपात में अपने प्रतिनिधि नामित करने का अधिकार होता है। proportional representation

आनुपातिक वितरण पुं. (तत्.) सही अनुपात में बँटवारा।

आनुपूर्व पुं. (तत्.) 1. एक के बाद एक का क्रम 2. वाणी का क्रम, वर्णक्रम।